



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 14 अगस्त, 2002/23 भावण, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 14 अगस्त, 2002

संख्या एल०एल०आर०डी० (6)-13/2002-लेज.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 13-8-2002 को प्रख्यापित

हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2002 (2002 का अध्यादेश संख्यांक 1) को संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित करने हैं।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
सचिव।

हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2002

भारत गणराज्य के तिरपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित।

हिमाचल प्रदेश पथकर अधिनियम, 1975 (1975 का 9) का और संशोधन करने के लिए अध्यादेश।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सत्र में नहीं है और राज्यपाल का समाधान हो गया है कि ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं जिनके कारण तुरन्त कार्रवाई करना उनके लिए आवश्यक हो गया है;

अतः अब हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, निम्नलिखित अध्यादेश प्रख्यापित करते हैं :—

1. (1) इस अध्यादेश का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2002 है।

संक्षिप्त नाम
और
प्रारम्भ।

- (2) यह 21 मई, 2001 को प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा।

2. हिमाचल प्रदेश पथकर अधिनियम, 1975 (1975 का 9) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मूल अधिनियम" कहा गया है) की धारा 2 में, विद्यमान खण्ड (घ-क) के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

धारा 2 का
संशोधन।

"(घ-क) पथ संरचना से, पथ, सुरंग, फ्लाईओवर, पुल, भूमिगत पथ, पहुँच या सम्पर्क मार्ग या उप-मार्ग अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत इन से आनुषंगिक अन्य सेवाएं एवं प्रमुविधाएं भी हैं।"

3. मूल अधिनियम की धारा 3 में,—

धारा 3 का
संशोधन।

- (i) उप-धारा (1) में "पार करने" शब्दों के स्थान पर, "का उपयोग करने" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे; और

- (ii) उप-धारा (3) में "पार करने" शब्दों के स्थान पर "का उपयोग करने" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे

4. मूल अधिनियम को विद्यमान धारा 6 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

धारा 6 का
संशोधन।

"6. बैरियरों की स्थापना.—राज्य सरकार, समय-समय पर, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए किसी भी पथ अब संरचना पर बैरियरों को स्थापित कर सकेगी या उन्हें हटा सकेगी।"

5. विधिमार्गकरण.—हिमाचल प्रदेश पथकर अधिनियम, 1975 (1975 का 9) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" निर्दिष्ट किया गया है में किमी बात के प्रतिकूल होते हुए भी उक्त अधिनियम के अधीन 21 मई, 2001 को या के पश्चात् किमी भी समय परन्तु हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2002, जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अध्यादेश" निर्दिष्ट किया गया है, के प्रकाशन

में, पूर्व पथकर का उद्ग्रहण, संग्रहण या संदाय या की गई कोई कार्रवाई या की गई कोई बात या किए जाने के लिए तात्पर्यित कार्रवाई या बात, विधिमान्य या प्रभावी समझी जाएगी माना उक्त अध्यादेश के उपबन्धों के अधीन ऐसा उद्ग्रहण, संग्रहण या संदाय या की गई कोई कार्रवाई या बात उक्त अध्यादेश के उपबन्धों के अधीन की गई हो और नवानुसार—

- (i) उक्त अध्यादेश के प्रकाशन से पूर्व, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन, उद्गृहीत, संगृहीत या संदत्त, या उद्गृहीत, संगृहीत या संदत्त किए जाने को तात्पर्यित उपर्युक्त पथकर, विधि के अनुसार उद्गृहीत और संगृहीत किया गया समझा जाएगा और सदैव समझा जाएगा ;
- (ii) उपर्युक्त किसी प्रकार के पथकर के बारे में जो संगृहीत या संदत्त किया गया है, किसी न्यायालय या किसी प्राधिकरण के समक्ष प्रतिदाय के लिए कोई वाद या अन्य कार्यवाहियां नहीं होगी या जारी नहीं रखी जाएंगी और किसी न्यायालय या अन्य प्राधिकरण द्वारा प्रतिदाय को निदेशित करने वाली किसी ठिकी या आदेश का प्रवर्तन नहीं किया जाएगा ;
- (iii) उन सभी राशियों की वसूली, यदि कोई हो, उक्त अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार की जाएंगी, जो तद्धीन ऐसे उपर्युक्त पथकर के रूप में संगृहीत की गई होती यदि उक्त अध्यादेश सभी तात्त्विक समयों पर प्रवृत्त हो ; और
- (iv) उक्त अध्यादेश के प्रकाशन से पूर्व, उक्त अधिनियम के अधीन की गई कोई कार्रवाई या बात (जिसके अन्तर्गत बनाया गया कोई नियम या आदेश, स्थापित किया गया या हटाया गया कोई बैरियर, जारी की गई अधिसूचना या दिए गए निर्देश) सदैव, उक्त अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार विधिमान्य रूप से की गई या की गई समझी जाएगी ।

2. शंकाओं के निराकरण के लिए, एतद्द्वारा यह घोषणा की जाती है कि—

- (क) उप-धारा (1) की किसी बात का किसी व्यक्ति को निम्नलिखित से निवारित करने के रूप में अर्थ नहीं लगाया जाएगा—
 - (i) उपर्युक्त पथकर के उद्ग्रहण, संग्रहण या संदाय को, उक्त अध्यादेश के उपबन्धों के अनुसार प्रश्रयित करने से ; या
 - (ii) उस द्वारा उक्त अध्यादेश द्वारा यथा संशोधित उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन उससे देय रकम से अधिक संदत्त किए गए उपर्युक्त पथकर के प्रतिदाय के दावे से ; और
- (ख) उक्त अध्यादेश के प्रकाशन से पूर्व, किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य या द्रुति अपराध के रूप में दण्डनीय नहीं होगी, जो उस प्रकार दण्डनीय न होती, यदि उक्त अध्यादेश प्रवृत्त न हुआ होता ।

सूरज भान,
राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश ।

सचिव (विधि)
हिमाचल प्रदेश सरकार ।

मिथिला
तारीख 2002.

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

H. P. Ordinance No. 1 of 2002.

THE HIMACHAL PRADESH TOLLS (SECOND AMENDMENT) ORDINANCE, 2002

Promulgated by the Governor of Himachal Pradesh in the Fifty-third Year of the Republic of India.

N

ORDINANCE

further to amend the Himachal Pradesh Tolls Act, 1975 (Act No. 9 of 1975).

Whereas the Legislative Assembly of Himachal Pradesh is not in session and the Governor of Himachal Pradesh is satisfied that the circumstances exist which render it necessary for him to take immediate action ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (1) of article 213 of the Constitution of India, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to promulgate the following ordinance :—

1. (1) This Ordinance may be called the Himachal Pradesh Tolls (Second Amendment) Ordinance, 2002.

Short title and Commencement.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 21st day of May, 2002.

2. In section 2 of the Himachal Pradesh Tolls Act, 1975 (Act No. 9 of 1975) (hereinafter referred to as the 'Principal Act'), for the existing clause (d-a), the following shall be substituted, namely:—

Amendment of section 2

“(d-a) “road infrastructure” means roads, tunnels, flyovers, bridges, underground roads, approach or link roads or by-passes and includes other services and facilities ancillary thereto.”.

3. In section 3 of the principal Act,—

Amendment of section 3.

- (i) in sub-section (1), for the words “passing over”, the words “for the use of” shall be substituted ; and
- (ii) in sub-section (3), for the words “passing over”, the word “using” shall be substituted.

4. For the existing section 6 of the principal Act, the following shall be substituted, namely :—

Amendment of section 6

“6. Establishment of barriers.—The State Government may, from time to time, by notification in the Official Gazette, establish or remove barriers on any road infrastructure, for the purposes of this Act.”.

5. Validation.—Notwithstanding anything contained to the contrary in the Himachal Pradesh Tolls Act, 1975 (Act No. 9 of 1975), hereinafter referred to as the “said Act”, levy, collection or payment of toll or any action taken or anything done or purporting to have been taken or done, under the provisions of the said Act, at any time on or after the 21st day of May, 2001 but before the publication of the Himachal Pradesh Tolls (Second Amendment) Ordinance, 2002, hereinafter referred to as the “said Ordinance”, shall be deemed to be valid and effective as if such levy, collection or payment or any action or anything had been taken or done under the provisions of the said Ordinance and accordingly—

- (i) the aforesaid toll levied, collected or paid or purporting to have been levied, collected or paid under the provisions of the said Act, before the publication of the said Ordinance shall and shall always be deemed to have been validly levied, collected or paid in accordance with the law ;
 - (ii) no suit or other proceeding shall be maintained or continued in any court or before any authority for the refund of, and no enforcement shall be made by any court or authority of any decree or order directing the refund of any such aforesaid toll which has been collected or paid ;
 - (iii) recoveries, if any, shall be made in accordance with the provisions of the said Act as amended by the said Ordinance, of all amounts which would have been collected thereunder as such aforesaid toll if the said Ordinance had been in force at all material times ; and
 - (iv) any action taken or anything done (including any rule or order made, any barrier established or removed, notification issued or directions given) under the said Act, before the publication of the said Ordinance, shall and shall always be deemed to have been validly taken or done in accordance with the provisions of the said Act, as amended by the said Ordinance.
- (2) For the removal of doubts, it is hereby declared that—
- (a) Nothing in sub-section (1) shall be construed as preventing any person—
 - (i) from questioning in accordance with the provisions of the said Ordinance, the levy, collection or payment of the aforesaid toll ; or
 - (ii) from claiming refund of the aforesaid toll paid by him in excess of the amount due from him under the provisions of the said Act as amended by the said Ordinance ; and
 - (b) No act or omission on the part of any person, before the publication of the said Ordinance, shall be punishable as an offence which would not have been so punishable if the said Ordinance had not come into force.